सत्यमेव जयते

ꯃꯤꯇꯩꯂꯣꯟ ꯃꯌꯥꯏ ꯇꯦꯝꯄꯥꯡ

मणिपुरी भाषा प्रवेशिका

MANIPURI PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई–पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई–सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य–सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई–पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई–सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई–सामग्री प्राप्त करें।

प्ले स्टोर से ई–पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें	क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें	स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें	लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें	उपलब्ध ई–सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई–पाठशाला द्वारा ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई–सामग्री प्राप्त करें।

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें	अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी	पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें	क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें	कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें	क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई–सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई–सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

ꯃꯤꯇꯩꯂꯣꯟ ꯃꯍꯤ ꯂꯧꯁꯕꯤꯝ

मणिपुरी भाषा प्रवेशिका

MANIPURI PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
Email: dceta.ncert@nic.in

ꯃꯤꯇꯩꯂꯣꯟ ꯃꯌꯤ ꯂꯥꯏꯔꯤꯛ
मणिपुरी भाषा प्रवेशिका
MANIPURI PRIMER

A basal reader of Meetei Mayek alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes though andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Salam Brojen Singh

ISBN: 978-81-19411-24-5

First Edition: March 9, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Nandakumar L
Cover Photo: Manipuri Primer Development Team

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के मार्ग का प्रमुख अवयव भारतीय भाषाएँ हैं, जिनसे ज्ञान-विज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच देश के समस्त बच्चों तक सुनिश्चित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफ़ारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब छात्रों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसीलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे । डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

स्वच्छ भारत

कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों(का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अधययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarizes children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

ꯆꯍꯤ-ꯆꯥ ꯀꯌꯥꯗꯒꯤ ꯍꯩꯅ ꯚꯥꯔꯠ ꯑꯁꯤ ꯂꯣꯟꯌꯥꯝ ꯊꯥꯛꯕ ꯑꯃꯗꯤ ꯅꯥꯠ-ꯆꯠꯅꯕꯤ ꯀꯌꯥꯒꯤ ꯈꯨꯛꯂꯖꯝ
ꯑꯣꯏꯕ ꯂꯩꯕꯥꯛ ꯑꯃ ꯑꯣꯏꯕꯨꯅ ꯂꯥꯛꯂꯤ, ꯑꯃꯗꯤ ꯂꯩꯕꯥꯛꯁꯤꯒꯤ ꯈꯣꯊꯥꯡ-ꯈꯣꯊꯥꯡꯕ ꯏꯖꯝ ꯀꯌꯥꯗ ꯂꯣꯟ
ꯀꯌꯥꯏꯕꯨꯝ ꯊꯥꯛꯅꯔꯤ॥ ꯏꯤꯑꯣꯏ ꯀꯥꯛꯅꯨꯖ ꯀꯌꯥꯒꯤ ꯏꯔꯛꯈ ꯑꯏꯁꯨꯛ ꯈꯣꯊꯥꯡ-ꯈꯣꯊꯥꯡꯕ ꯖꯤꯚꯝꯗ ꯂꯣꯎ
ꯀꯌꯥꯏꯕꯨꯝ ꯖꯥꯁꯅꯂꯣꯎ ꯑꯣꯏꯅ ꯁꯤꯂꯤꯎꯅꯕ ꯊꯥꯏꯕꯁ ꯂꯩꯕꯥꯛꯁꯤꯒꯤ ꯏꯥꯎꯅꯕ ꯏꯁꯛ ꯑꯃ ꯑꯣꯏꯕꯒ
ꯂꯣꯏꯅꯅ ꯏꯁꯤꯅ ꯑꯩꯈꯣꯏ ꯃꯨꯝꯅꯏꯛꯀꯤ ꯏꯔꯛꯈ ꯑꯃꯨꯎꯕꯒꯤ ꯏꯔꯤ ꯑꯃ ꯁꯥꯒꯠꯃ ꯊꯝꯍꯟꯂꯤ॥ ꯚꯥꯔꯠꯀꯤ

[illegible]

मार्च, 2024

मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन

निदेशक

भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Manipuri Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Member Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Salam Brojen Singh, Resource Person (Teaching) in Manipuri, North Eastern Regional Language Centre, (CIIL), Guwahati
Hidam Dolen Singh, Resource Person (Teaching) in Manipuri, NERLC, (CIIL), Guwahati
Leihaorambam Sarbajit Singh, Interim Registrar, IIITM, Imphal

Reviewer

Soibam Imoba Singh, Professor and Head, Department of Linguistics, Manipur University, Imphal

Hindi Reviewers

Biresh Kumar, Senior Resource Person, National Testing Service-India, CIIL, Mysuru
Sumitra Mishra, Junior Resource Person, National Testing Service-India, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical) NTM, Central Institute of Indian Languages, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, RP (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

ꯃꯤꯇꯩꯂꯣꯟ ꯃꯁꯤ ꯂꯥꯏꯔꯤꯛ ꯀꯍꯕꯩꯒ ꯇꯥꯡꯀꯅꯤ?

ꯀꯣꯁꯀꯣꯟ ꯀꯤꯅꯨ ꯑꯣꯖ꯭ꯆꯣꯁꯋ ꯍꯧꯂꯤꯁꯤ, 2020 ꯑꯃꯁꯨꯡ ꯀꯣꯁꯀꯣꯟ ꯆꯔꯤꯆ꯭ꯂꯝ ꯏ꯭ꯔꯣꯝꯌꯥꯔꯡ, 2022 ꯐꯤ ꯃꯇꯨꯡꯗꯋꯒ ꯃꯁꯥꯐꯤ ꯄꯇꯤ ꯑꯇ꯭ꯝꯕꯐꯤ ꯃꯊꯥ ꯏꯥꯖꯕꯐꯤ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯕꯨ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋꯕ ꯇꯥꯗꯕꯕꯤ ꯂꯝꯕꯝꯕꯨꯐꯤ (ꯔꯤꯂꯀꯣꯟ ꯂꯣꯡꯐꯨꯅꯣꯂ) ꯑꯃꯕꯤ ꯃꯅꯨꯝꯐꯤ ꯑꯧꯗꯕ ꯂꯧꯋꯕ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋ ꯇꯥꯡꯍꯤ-ꯇꯝꯕꯤꯀꯕꯐꯤ ꯖꯩꯔꯥꯡ ꯍꯥꯗꯄꯌꯂꯣ꯫ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋꯀ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋ ꯇꯥꯡꯍꯤ-ꯇꯝꯕꯤꯕꯐꯤ ꯆꯥꯋꯀꯕ ꯆꯅꯥꯃꯔꯨꯝ ꯂꯩ꯫ ꯃꯁꯤꯀ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯕꯨ ꯃꯇ꯭ꯡꯐꯤ ꯍꯨꯋꯁꯤꯗ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋ ꯅꯨꯡꯁꯤꯂꯕꯐꯤ ꯌꯥꯄꯟꯂꯧꯋ ꯌꯣꯟꯇꯋꯕꯇ ꯀꯄꯇꯀ ꯃꯁꯥꯐꯤ ꯀꯥꯄ-ꯌꯋꯕꯤ ꯊꯥꯡꯇꯨꯀ ꯖꯝꯕꯗ ꯑꯌꯩꯕ ꯃꯇꯣꯡ ꯑꯧꯍ꯫ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋꯀ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋ ꯇꯝꯕ ꯇꯩꯕꯗ ꯑꯇꯣꯋꯕ ꯃꯤꯄꯔꯣꯡ ꯖꯝꯂꯗꯨꯀ ꯃꯁꯥꯐꯤ ꯌꯇꯤ 3 ꯗꯐꯤ 5 ꯏꯥꯖꯕꯐꯤ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯗ ꯕꯣꯁꯤꯡ ꯂꯤꯇꯔꯣꯁꯤ ꯑꯗꯨꯐ ꯑꯇꯥꯋꯕ ꯑꯃꯗꯤ ꯑꯀꯤꯁꯨꯕ ꯖꯥꯡꯆꯤ ꯃꯇꯩ ꯇꯝꯂꯤꯕ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯗ ꯍ꯭ꯔꯥꯍꯃꯥꯔꯤ ꯖꯥꯡꯆꯤ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋ ꯇꯥꯡꯍꯤ-ꯇꯝꯕꯤꯀꯕꯐꯤ ꯖꯩꯔꯥꯡ ꯍꯥꯗꯄꯌꯂꯣ꯫ ꯖꯩꯔꯥꯡ ꯑꯁꯤꯐꯤ ꯃꯄꯥꯗ ꯂꯝ-ꯂꯝꯗꯨꯐꯤ ꯏꯨꯡꯐ ꯌꯥꯔꯤ ꯑꯃꯁꯨꯡ ꯗꯁꯩꯀꯌꯤꯡꯕꯕꯨ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯗ ꯇꯥꯇꯋ-ꯄꯧꯇꯋꯗꯨꯀ ꯃꯄꯧꯗꯨ ꯌꯤꯋꯀ ꯇꯥꯗꯕ ꯑꯃꯗꯤ ꯊꯥꯡꯕ ꯇꯝꯕꯤꯕꯗ ꯃꯔꯨꯑꯧꯗꯕ ꯃꯤꯄꯔꯣꯡ ꯖꯝꯃꯤ꯫ ꯃꯁꯤꯐ ꯂꯧꯗꯀ-ꯂꯧꯗꯀꯀ ꯂꯧꯋꯐꯤ ꯂꯥꯗꯔꯤꯡ ꯁꯤꯂꯤꯋꯀꯗꯨꯀ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯕꯨ ꯄꯧꯋꯖꯧꯡ-ꯄꯧꯋꯇꯥꯗ ꯌ꯭ꯝꯀ ꯇꯥꯗꯕ-ꯊꯥꯡꯕ ꯇꯝꯕꯤꯕ, ꯃꯔꯣꯡ ꯃꯁꯡ ꯇꯥꯡꯍ ꯑꯃꯗꯤ ꯍꯥꯕ ꯑꯃꯁꯨꯡ ꯗꯕ ꯇꯝꯕꯤꯕ ꯇꯩꯗ꯫

ꯃꯀꯤꯍꯨꯔꯤ ꯌꯋꯀꯥꯗꯗ ꯔꯣꯡꯂꯕꯗꯤ, ꯇꯩꯂꯤꯡ ꯗꯧꯔꯥꯂꯤ ꯃꯤꯗꯤꯔꯝ ꯁꯆꯟꯁꯤꯡꯐꯤ ꯑꯆꯋꯕ ꯗꯖꯤꯟ ꯑꯃ ꯂꯩꯔꯤ꯫ ꯌꯡꯐꯧ ꯂꯝ ꯔꯥꯀꯀ ꯃꯀꯤꯍꯨꯔꯤꯐꯤ ꯆꯥꯌꯤꯋ-ꯆꯧꯔꯥ ꯑꯔꯥꯝꯕꯗ ꯀꯧꯡꯌꯍꯂꯧꯝꯐꯤ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋꯐꯤ ꯍꯖꯥꯍ ꯑꯁꯤ ꯇꯣꯋꯀ ꯍꯥꯝꯀꯕ ꯇꯣꯋꯐꯅꯂꯡꯀꯤ꯫ ꯏꯤꯒꯝ ꯑꯁꯤꯗ, ꯒꯥꯔꯅ ꯁꯔꯆꯥꯔꯀ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋꯀ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋ ꯇꯥꯡꯍꯤ-ꯇꯝꯕꯤꯕꯐꯤ ꯂꯝꯗ ꯑꯇꯣꯋꯕ ꯃꯤꯄꯔꯣꯡ ꯌꯧꯟꯆꯂꯤ꯫ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋꯀ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋ ꯇꯥꯡꯍꯤ-ꯇꯝꯕꯤꯕꯐꯤ ꯃꯔꯨꯑꯧꯗꯕ ꯔꯣꯡꯗꯨꯀ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯗ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋꯀ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋ ꯇꯝꯕꯤꯕ ꯇꯩꯕꯐ ꯗꯔꯧꯗꯀꯀ ꯆꯝꯗꯩꯀ ꯇꯍꯀ-ꯇꯍꯀ ꯇꯤꯋꯗꯤ ꯑꯃꯗꯤ ꯗꯧꯔꯥꯂꯤ ꯇꯥꯡꯍꯤ-ꯇꯝꯕꯤꯕ ꯔꯥꯐꯗꯐꯣ ꯇꯥꯗꯕꯐꯤ ꯃꯔꯤꯡꯌꯝꯕ ꯖꯩꯔꯥꯡ ꯑꯃ ꯀꯣꯁꯀꯣꯟ ꯆꯔꯤꯆ꯭ꯂꯝ ꯏ꯭ꯔꯣꯝꯌꯥꯔꯡ, 2022 ꯇ ꯗꯗꯨꯀ ꯔꯥꯏꯔꯤ꯫ ꯃꯁꯤꯐꯤ ꯃꯇ꯭ꯡꯐꯤ ꯇꯤꯋꯗꯤ ꯑꯃꯁꯨꯡ ꯗꯧꯔꯥꯂꯤ ꯂꯧꯟꯐꯤ ꯃꯔꯣꯡ ꯂꯥꯗꯔꯤꯡꯇ, ꯑꯊꯥꯁꯤꯡꯗꯨꯐꯤ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋꯐꯤ ꯄꯧꯋꯖꯧꯡꯁꯤꯡ ꯑꯃꯗꯤ ꯃꯔꯣꯡꯁꯤꯡꯐꯤ ꯃꯏꯝ ꯑꯃ ꯍꯤꯔꯤ꯫ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯗꯨꯐꯤ ꯀꯥꯅ-ꯌꯅꯀꯕ ꯑꯃꯗꯤ ꯑꯆꯧꯗꯔꯧꯋꯐ ꯃꯔꯤ ꯂꯩꯀꯕ ꯌꯥꯇꯩꯁꯤꯡ ꯄꯧꯝꯂꯤꯋꯗꯨꯀ ꯂꯥꯗꯔꯤꯡꯇ ꯇꯥꯍꯂꯤ꯫

ꯃꯟꯇꯂꯤꯡꯐꯨꯔꯣꯟ ꯑꯣꯖ꯭ꯆꯣꯁꯋꯐꯤ ꯃꯔ꯭ꯑꯧꯗꯕ ꯍꯥꯋꯗꯝ ꯑꯁꯤ ꯃꯔ꯭ꯑꯧꯗꯀ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯀ ꯃꯃꯥꯂꯧꯋꯗ ꯃꯇꯩ-ꯃꯁꯤꯋ ꯇꯝꯕ ꯇꯩꯗꯨꯀ ꯃꯁꯥꯐꯤ ꯂꯝꯗꯝꯐꯤ ꯑꯃꯕꯤ ꯂꯥꯇꯤꯐꯤ ꯂꯧꯟ ꯍꯥꯕ ꯑꯃꯕꯤ ꯗꯕ ꯊꯥꯡꯇꯋꯕ ꯇꯥꯗꯋꯕꯁꯤꯀꯤ꯫ ꯃꯤꯄꯔꯣꯡ ꯑꯁꯤꯐ ꯂꯧꯗꯀꯀ ꯃꯤꯇꯩꯂꯧꯋꯐꯤ ꯃꯍꯤ ꯂꯥꯗꯔꯤꯡ ꯑꯁꯤ ꯁꯣꯝꯂꯕꯀꯤ꯫ ꯃꯁꯤꯀ ꯏꯋꯗꯥꯃꯣꯋꯇꯣꯟ ꯂꯤꯇꯔꯣꯁꯤꯐꯤ ꯃꯔ꯭ꯑꯧꯗꯕ ꯄꯧꯡꯖꯥꯡꯁꯤꯡ, ꯇꯥꯗꯕꯗꯤ ꯌꯥꯔꯤ ꯂꯤꯕ ꯑꯃꯗꯤ ꯂꯥꯗꯔꯣꯡꯆꯤ ꯍꯅꯖꯥꯡꯗ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯐꯤ ꯌꯥꯄꯟ-ꯂꯩꯁꯤꯡ ꯇꯣꯋꯐꯅꯇꯋꯕ, ꯂꯧꯋ ꯇꯥꯡꯍꯤ-ꯇꯝꯕꯤꯕꯐꯤ ꯄꯧꯡꯖꯥꯡ ꯑꯧꯗꯀ ꯍꯧꯅꯁꯡ ꯑꯃꯕꯤ ꯌꯥꯇ ꯇꯥꯡꯍꯤ-ꯇꯝꯕꯤꯕ ꯑꯃꯨꯡ ꯃꯔꯣꯡꯁꯤꯡ ꯁꯥꯂꯤꯋꯗꯨꯀ ꯌꯥꯇ ꯍꯥꯕ ꯇꯝꯕꯤꯕꯗ ꯂꯥꯗꯔꯤꯡ ꯑꯁꯤꯀ ꯑꯌꯩꯕ ꯃꯇꯣꯡ ꯑꯧꯗꯐꯀꯤ꯫ ꯃꯍꯤ ꯂꯥꯗꯔꯤꯡ ꯑꯁꯤꯐꯤ ꯃꯇꯣꯡꯀ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯀ ꯃꯔꯣꯡꯁꯤꯡ ꯃꯁꯡ ꯄꯧꯕ ꯊꯥꯝꯐꯀꯤ ꯑꯃꯕꯤ ꯃꯁꯤꯐꯤ ꯌꯅꯖꯥꯗ ꯃꯄꯧꯗꯀ ꯄꯧꯋꯖꯧꯡ ꯑꯃꯕꯤ ꯃꯔꯣꯡꯁꯤꯡꯐꯤ ꯃꯔꯡꯇ ꯂꯩꯀꯕ ꯃꯔꯤꯁ ꯃꯃꯅꯇꯥꯀ ꯄꯧꯕ ꯊꯥꯝꯐꯀꯤ꯫ ꯃꯍꯤ ꯂꯥꯗꯔꯤꯡ ꯑꯁꯤ ꯆꯝꯕꯩꯀ ꯍꯥꯐꯗꯐꯣ ꯇꯥꯗꯕꯐꯤ ꯃꯔ꯭ꯑꯧꯗꯕ ꯂꯝꯂꯤꯡ-ꯂꯝꯇꯥꯡ ꯃꯄꯥꯗ ꯍꯤꯔꯤ꯫

ꯄꯧꯋꯖꯧꯡ-ꯄꯧꯟꯇꯥꯗ ꯇꯝꯕꯤꯕ: ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯀ ꯂꯥꯗꯔꯤꯡꯇ ꯔꯥꯏꯔꯤꯕ ꯍꯤꯡꯌꯔ ꯑꯗꯨ ꯔꯣꯡꯂꯐ ꯍꯧꯅꯁꯡ ꯑꯗꯨꯐꯤ ꯃꯃꯤꯡ ꯇꯥꯗꯐꯀꯤ꯫ ꯍꯧꯅꯁꯡ ꯑꯗꯨꯐꯤ ꯃꯃꯤꯡꯗꯨ ꯆꯔꯝꯕ ꯄꯧꯋꯖꯧꯡꯀ ꯇꯩꯕꯐꯣ ꯇꯥꯗꯀ ꯑꯧꯂꯀ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯗ ꯇꯧꯐꯀꯤ꯫ ꯌꯗꯝ ꯑꯧꯗꯀ, ‘ꯆꯧꯡ’ ꯍꯤꯡꯌꯔ ꯔꯣꯡꯂꯕ ꯃꯇ꯭ꯡꯗ ꯃꯁꯤ ‘ꯆ’ ꯄꯧꯋꯖꯧꯡꯀ ꯇꯩꯗ ꯇꯥꯗꯕ ꯄꯧꯐꯀꯤ꯫

ꯃꯔꯣꯡ ꯇꯝꯕꯤꯕ: ꯑꯧꯂꯀ ꯃꯇꯩꯔꯧꯗꯁꯤꯡꯗ ‘ꯆ’ ꯃꯔꯣꯡ ꯑꯁꯤ ꯃꯁꯡ ꯇꯥꯡꯆꯀꯤ꯫ ꯃꯁꯤꯐꯤ ꯃꯖꯩꯗ ꯃꯔꯣꯡ ꯑꯁꯤ ꯔꯥꯏꯕ ꯌꯥꯇꯩ ꯄꯔ ꯗꯔꯐ ꯃꯔꯣꯡ ꯑꯁꯤ ꯃꯁꯡ ꯄꯧꯗꯧꯡꯀꯕ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯗ ꯇꯥꯗꯐꯀꯤ꯫ ꯑꯍꯤꯕ ꯌꯥꯇꯩꯁꯤꯡꯗꯐꯤ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯀ ꯃꯔꯣꯡ ꯑꯁꯤ ꯃꯁꯡ ꯇꯥꯡꯍꯐ ꯂꯧꯗꯀꯀ ꯃꯄꯥꯇꯀ ꯇꯋꯀ-ꯇꯋꯀ ꯍꯥꯡꯖꯧꯡꯇꯨꯀ ꯇꯩꯀꯕ ꯇꯧꯅꯀꯐꯀꯤ꯫

ꯍꯥꯕ ꯇꯝꯕꯤꯕ: ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯀ ꯑꯍꯤꯕ ꯂꯥꯗꯔꯣꯡꯁꯤꯡꯗ ꯔꯣꯡꯂꯐ ꯃꯄꯧꯗ ꯃꯁꯤꯐꯤ ꯑꯧꯗꯕ ꯃꯑꯧꯡꯗ ꯌꯥꯇꯩꯁꯤꯡꯗꯨ ꯇꯥꯗꯕ ꯇꯝꯐꯀꯤ꯫ ꯑꯊꯥꯡꯁꯤꯡꯀ ‘ꯆꯧꯡ’ ꯇꯥꯗꯕ ꯌꯥꯇꯩ ꯑꯁꯤ ꯌꯅꯁꯀ ꯖꯤꯋꯗꯨꯀ ꯑꯧꯗꯗꯐꯤ ꯔꯣꯅꯂꯧꯝꯗ ꯌꯅꯁꯀ ꯀꯝꯗꯨꯀ ꯍꯥꯐꯀꯤ꯫ ‘ꯆ’ ꯃꯔꯣꯡ ꯑꯁꯤ ꯔꯥꯏꯕ ꯌꯥꯇꯩ ꯑꯇꯩꯁ ꯍꯥꯗꯨꯀ

ꯑꯌꯥꯅꯃꯤꯅꯒ ꯈꯔꯪꯅ ꯑꯃꯤ ꯈꯃꯅ ꯄꯣꯕꯛ ꯂꯣꯍꯒꯒ ꯄꯣꯋꯎꯣꯅ ꯍꯔꯒ ꯂꯥꯍꯕꯃ ꯊꯣꯔꯛꯒꯤ꯫ ꯑꯣꯇꯥꯒ ‘ꯖ’ ꯈꯔꯪꯅ ꯑꯃꯤ ꯅꯥꯂꯩꯛꯤ ꯖꯐꯔꯕ ꯃꯐꯅꯊ, ꯂꯥꯍꯕꯗꯤ ꯑꯂꯩꯕꯗ, ꯈꯔꯥꯍꯗ ꯒꯁꯊꯐꯛ ꯈꯈꯩꯗ ꯌꯣꯕꯛꯪ ꯂꯥꯍꯕꯗ ꯑꯌꯥꯅꯃꯤꯅꯗ ꯊꯥꯅꯆꯤꯛꯒꯤ꯫

ꯍꯕ ꯊꯣꯔꯕꯤꯕ: ꯑꯂꯥꯋꯕꯗ ꯑꯣꯇꯥꯃꯤꯅꯒ ꯑꯌꯥꯅꯃꯤꯅꯕ ‘ꯖꯣꯅ’ ꯅꯥꯂꯩꯗ ꯔꯥꯓꯐꯤꯕ ‘ꯖ’ ꯈꯔꯪꯅ ꯑꯃꯤ ꯍꯕ ꯊꯣꯔꯕꯤꯛꯒꯤ꯫ ꯆꯪꯋꯃꯤꯇ ꯒꯁꯊꯐꯛ ꯖꯒꯔꯒ (ꯆꯪꯋꯃꯤꯇ ꯃꯤꯒꯤꯋꯒꯕꯒ ꯂꯪꯋꯒ ꯌꯩ ꯈꯐꯔꯗꯤ ꯈꯃꯤꯒ ꯑꯈꯅ ꯈꯎꯁꯒꯛ ꯍꯕ ꯔꯥꯂꯇꯒꯤ) ꯑꯣꯍꯐꯣꯔꯗꯛꯤ ꯔꯪꯁꯒꯣꯔꯗ ꯖꯔꯗꯩꯒ ꯈꯔꯪꯅ ꯑꯃꯤ ꯍꯛꯗꯛꯪ ꯂꯥꯍꯕꯗ ꯓꯁꯊꯒ ꯊꯥꯅꯖꯒꯤ꯫ ꯈꯃꯤꯛꯤ ꯈꯊꯅꯗ ꯑꯌꯥꯅꯃꯤꯅꯒ ꯒꯥꯍꯐꯤꯅ ꯑꯃꯤꯗ ꯔꯥꯓꯐꯤꯕ ꯑꯆꯤꯕ ꯈꯌꯔꯃꯤꯅꯗ ꯈꯔꯪꯅ ꯑꯗ ꯍꯒꯕ ꯂꯣꯁꯒꯛꯒꯤ꯫ ꯑꯌꯥꯅꯃꯤꯅꯒ ꯆꯥꯕ ꯑꯈꯗꯤ ꯍꯕ ꯈꯊꯣꯔꯗ ꯑꯣꯇꯥꯒ ꯈꯊꯣꯪꯅ ꯆꯥꯅꯛꯒꯤ꯫ ꯒꯥꯍꯐꯤꯅ ꯑꯃꯤꯗ ꯔꯥꯓꯐꯤꯕ ꯈꯔꯪꯅꯃꯤꯅꯃꯤ ꯆꯥꯕ ꯈꯊꯣꯔꯗ ꯑꯌꯥꯅꯃꯤꯅꯒ ꯈꯈꯥꯒꯣꯋꯒ ꯂꯥꯋꯒ ꯆꯥꯕ ꯂꯩꯐꯛ ꯑꯣꯇꯥꯛꯤ ꯈꯊꯣꯪꯅꯛ ꯒꯣꯍꯒꯒ ꯂꯤꯋꯗꯤ ꯒꯁꯊꯐꯛ ꯍꯣꯐꯥꯒꯤ ꯒꯣꯇꯃ ꯆꯥꯕ ꯑꯈꯗꯤ ꯄꯣꯒꯤꯋꯕ ꯔꯥꯍ꯫

[illegible] :

[illegible] :

[illegible] :

[illegible] 1 :

[illegible] 2 :

[illegible] 1 :

[illegible] 2 :

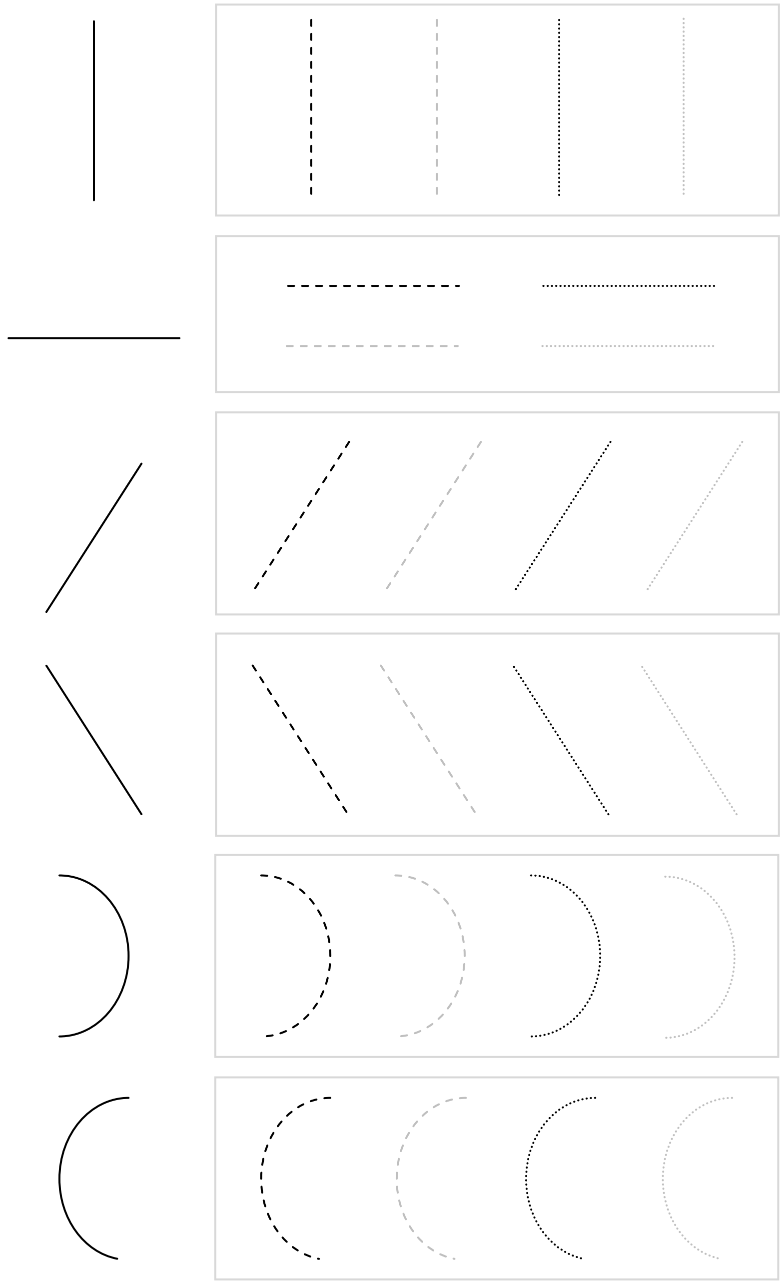

[illegible]: [illegible] ||

ꯏꯄꯤ ꯏꯌꯦꯛ

ꯀ	ꯁ	ꯂ
ꯃ	ꯄ	ꯅ
ꯆ	ꯇ	ꯈ
ꯉ	ꯊ	ꯋ
ꯌ	ꯍ	ꯎ
ꯏ	ꯐ	ꯑ
ꯒ	ꯓ	ꯔ
ꯕ	ꯖ	ꯗ
ꯘ	ꯙ	ꯚ

ꯂꯣꯟꯁꯝ ꯏꯌꯦꯛ

ꯛ	ꯜ	ꯝ	ꯞ
ꯟ	ꯠ	ꯡ	ꯢ

ꯁꯃꯥ ꯁꯔꯪꯝ

[illegible]

[illegible]

सिर

[illegible]

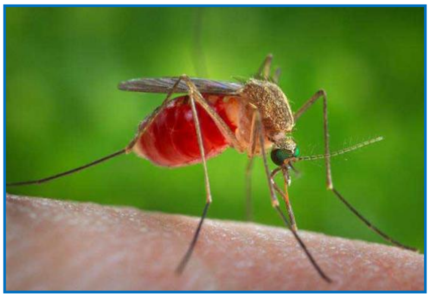

[illegible]	[illegible]	[illegible]
बाघ	मच्छर	उल्लू

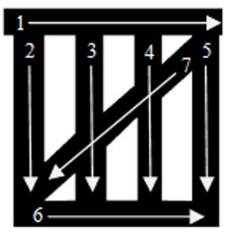

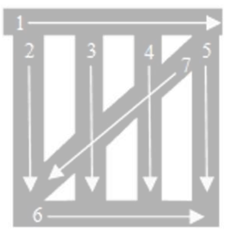

ꯁ

ꯁꯝ

बाल

ꯁꯥꯃꯨ ꯑꯆꯧꯕ ꯁꯥꯅꯤ ॥
ꯁꯥꯒꯤ ꯅꯤꯡꯊꯧ ꯅꯣꯡꯁꯥꯅꯤ ॥
ꯁꯥꯗꯥꯖꯕ ꯃꯨꯝꯕꯅ ꯐꯤꯅꯦ ॥

ꯁꯥꯃꯨ	ꯃꯤꯁꯨꯝ	ꯒꯤꯂꯥꯁ
हाथी	भौं	गिलास

माथा

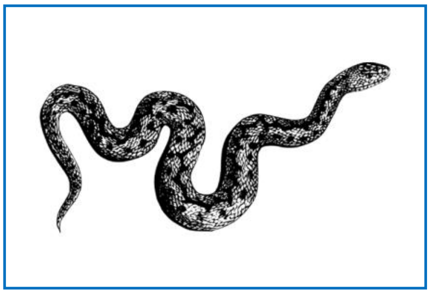

साँप

कलम

फूलदान

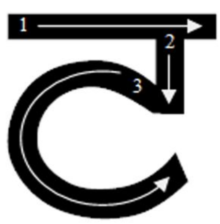

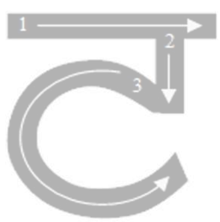

[illegible]

आँख

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
आग	पंखा	किसान

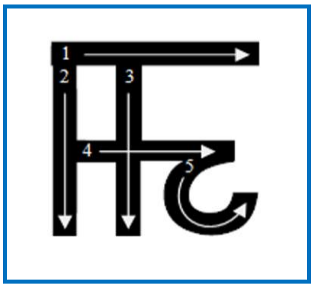

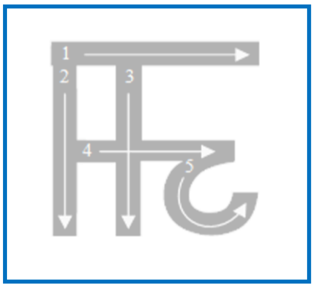

[illegible]

[illegible]

पलकों के बाल

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
पेट	पेड़	घास

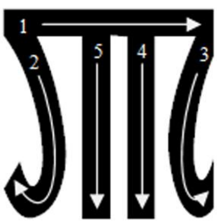

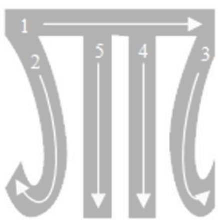

[illegible]

[illegible]

कान

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
डांड़	मशाल	आम

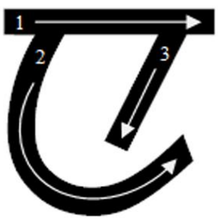

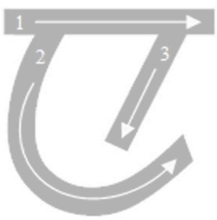

𑚏

𑚏𑚭𑚙

मुँह

[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑚏𑚲	𑚏𑚰	[illegible]
चाय	ईंख	छड़ी

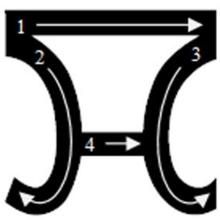

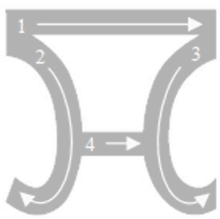

[illegible]

[illegible]

लार

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
धनुष	चूहा	मुट्ठी

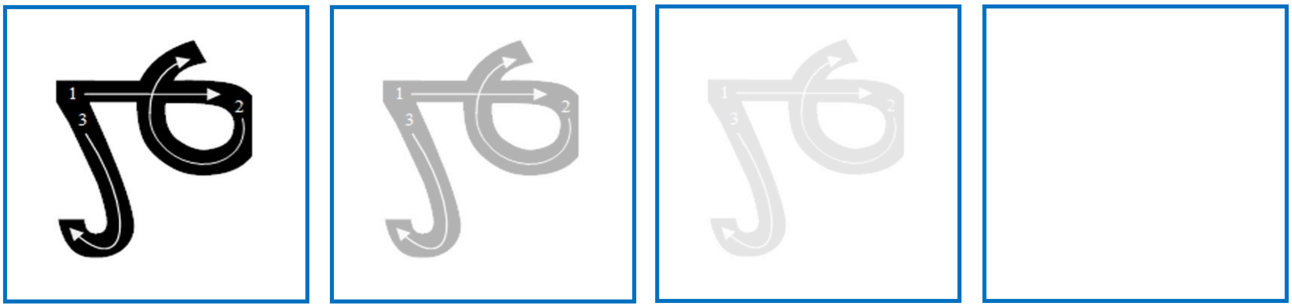

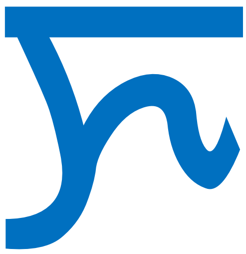

[illegible]

गला

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
टांग	माचिस	केकड़ा

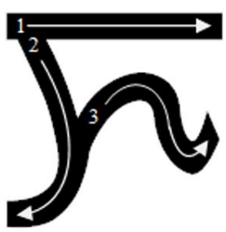

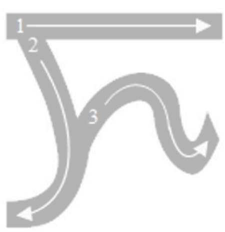

[illegible]

[illegible]

तालु

[illegible]
[illegible]
[illegible]

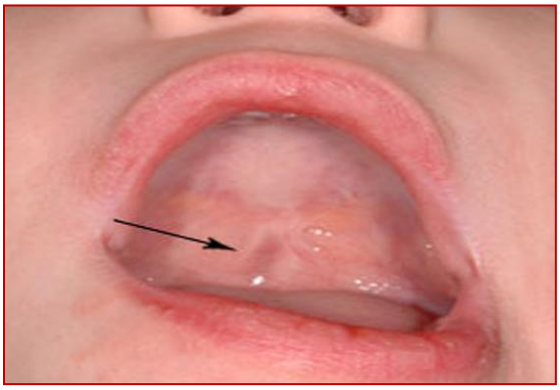

[illegible]	[illegible]	[illegible]
गर्दन	मेंढक	राज हंस

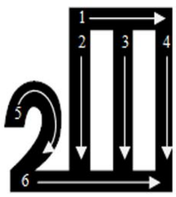

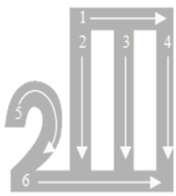

# ꯊ	ꯊꯧ
	छाती

ꯊꯝꯕꯥꯜ ꯐꯖꯕ ꯂꯩꯔꯦ॥
ꯑꯋꯥ ꯊꯕꯤ ꯑꯍꯥꯡꯕ ꯍꯩꯔꯦ॥
ꯊꯣꯕ ꯑꯉꯧꯑꯉꯧ ꯑꯣꯏꯔꯦ॥

ꯊꯣꯕ	ꯊꯝꯕꯥꯜ	ꯑꯋꯥ ꯊꯕꯤ
खरगोश	कमल	पपीता

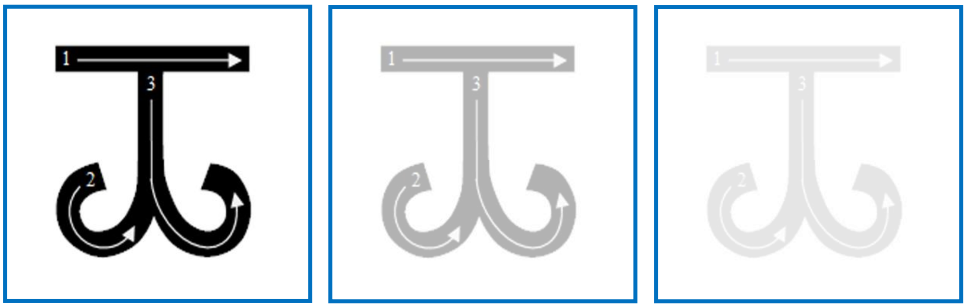

[illegible]

[illegible]

दिल

[illegible]
[illegible]
[illegible]

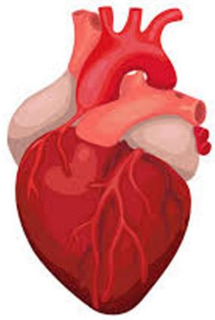

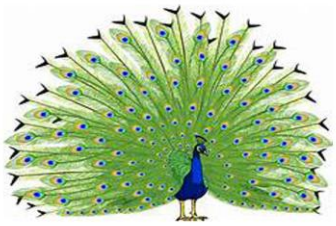

[illegible]	[illegible]	[illegible]
मोर	बींस	तोता

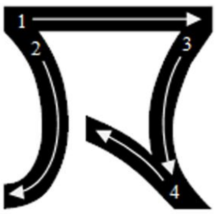

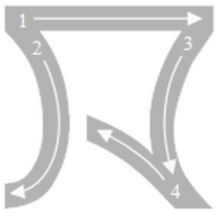

[illegible]

[illegible]

रीढ़ की हड्डी

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
घर	मुर्गी	सिल्वरबेरी

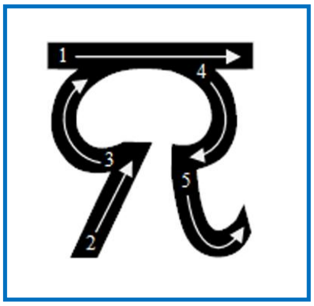

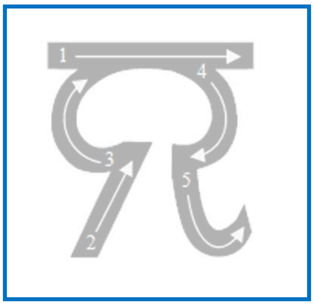

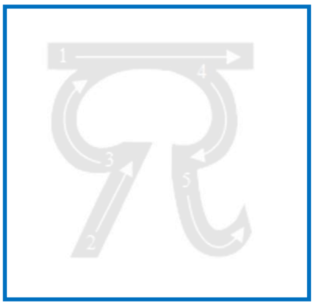

[illegible]

[illegible]

हड्डी का जोड़

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
बकरी	चंपा	फल

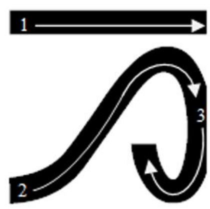

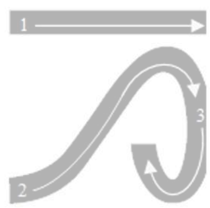

[illegible]

[illegible]

त्वचा

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
लता	अखबार	थैला

खून

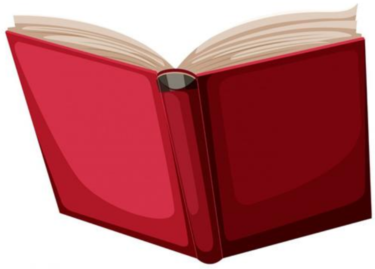

पानी	किताब	अनार

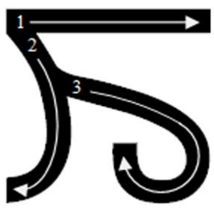

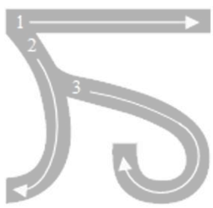

[illegible]

[illegible]

नितंब

[illegible]
[illegible]
[illegible]

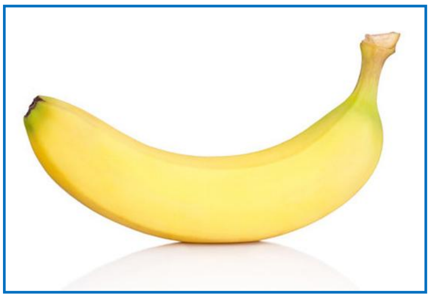

[illegible]	[illegible]	[illegible]
चप्पल	केला	हेयर क्लिप

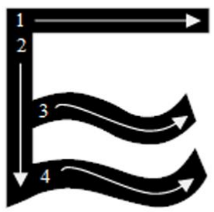

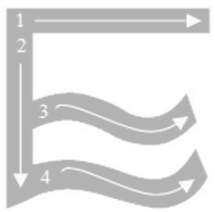

[illegible]

[illegible]

आकाश

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
शिशु	लाल	चश्मा

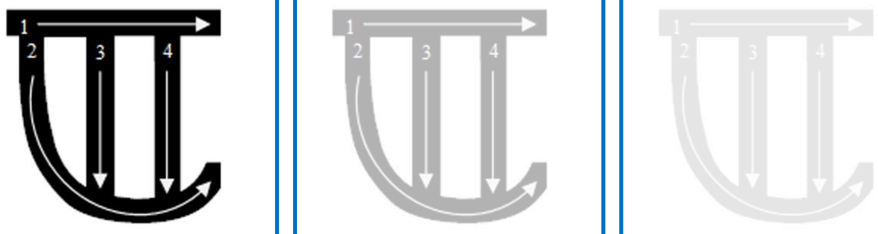

[illegible]

[illegible]

वाहन

[illegible]

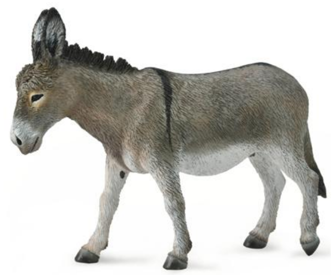

[illegible]	[illegible]	[illegible]
सरसों	दूध	गधा

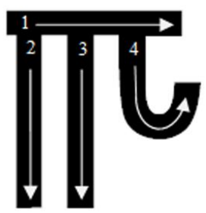

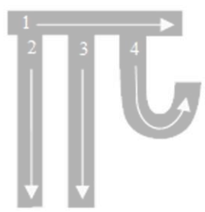

छन्नी

झांझ

झाड़ी

झूला

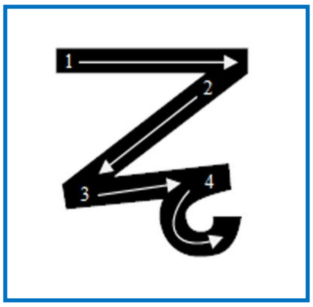

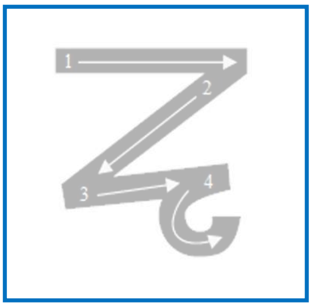

गेंदा

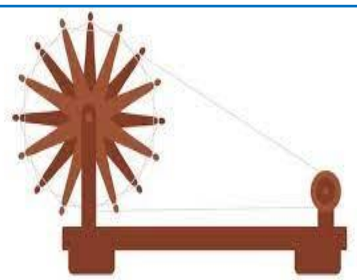

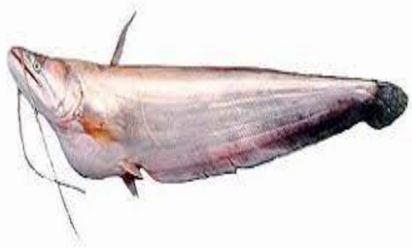

चरखा

कद्दू

बुआरी मछली

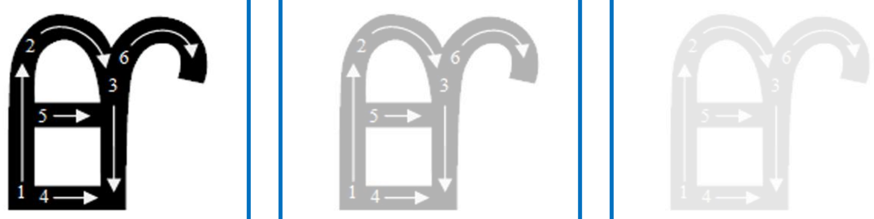

[illegible]

[illegible]

गेंद

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
बस	बांसुरी	टोकरी

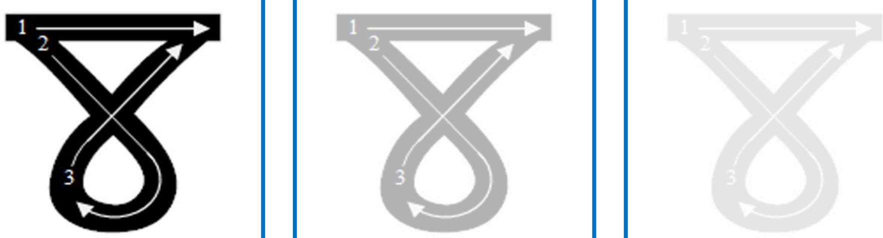

ꯖ

ꯂꯨꯝꯖꯤꯡ

झाड़ू

ꯑꯃꯁꯨ ꯂꯨꯝꯖꯤꯡ ꯂꯤꯡꯖꯤ॥
ꯑꯃꯁꯨ ꯖꯒꯣꯏ ꯃꯨꯏ॥
ꯅꯨꯡꯁꯤ ꯐꯤꯖꯩ ꯍꯥꯖꯤ॥

ꯖꯒꯣꯏ	ꯐꯤꯖꯩ	ꯇꯦꯖ
नृत्य	पर्दा	चंद्रमा

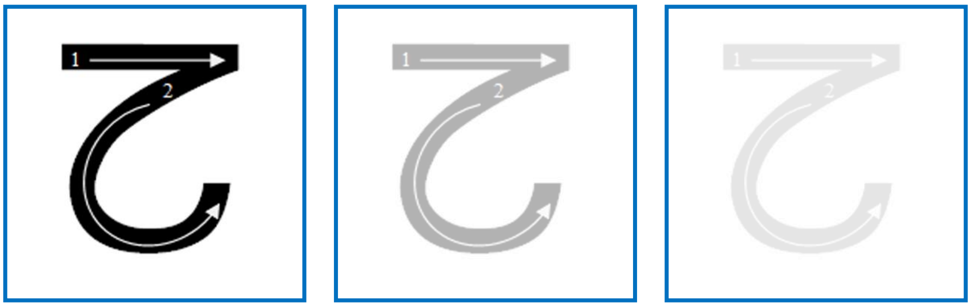

[illegible]

ड्रम

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
दूरबीन	तंबू	लड्डू

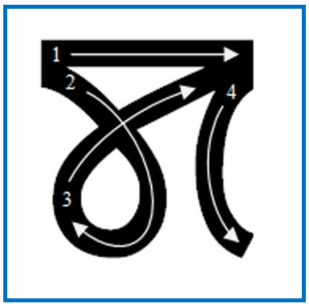

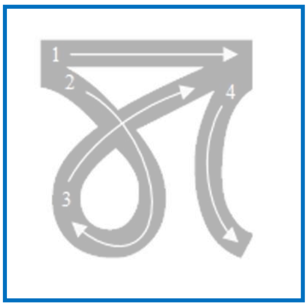

𑠍

𑠍𑠮

मक्खन

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
कलश	घड़ी	नदी का घाट

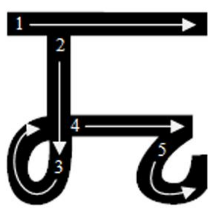
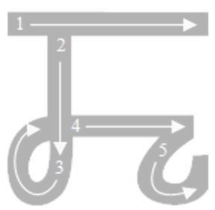

[illegible]

[illegible]

ढोल

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
धागा	ढोलक	माधवी का फूल

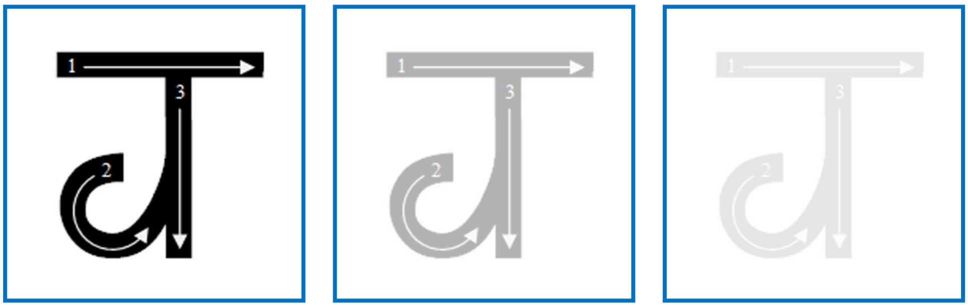

[illegible]

[illegible]

भारत

[illegible]

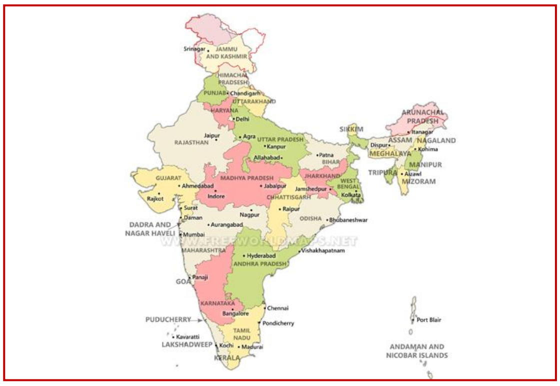

[illegible]	[illegible]	[illegible]
भिंडी	वैन	श्रोता

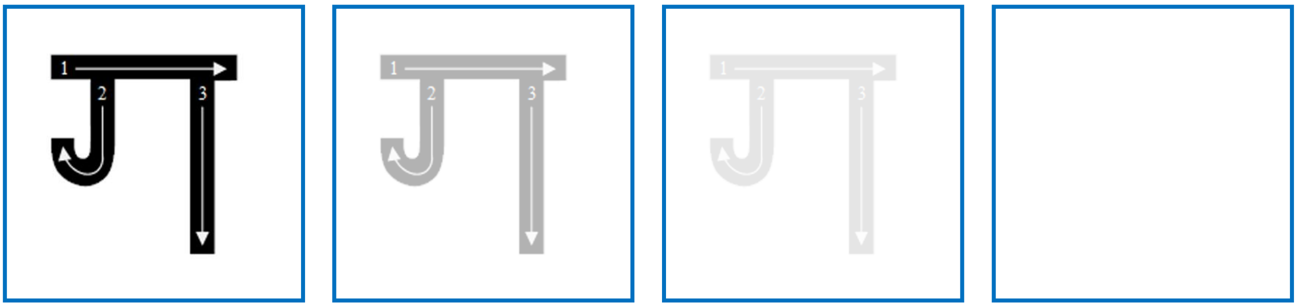

ꯄꯣꯆꯍꯨꯅ ꯀꯔꯪꯝ

[illegible]

[illegible]

इल्ली

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
चटाई	सिंघाड़ा	चिड़िया

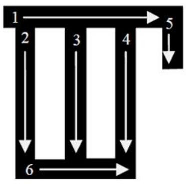

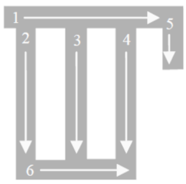

ꯜ

ꯁꯒꯣꯜ

घोड़ा

ꯁꯒꯣꯜ ꯂꯥꯏꯒꯤ ꯁꯥꯅꯤ꯫꯫
ꯃꯍꯥꯛ ꯊꯧꯅ ꯌꯨꯍꯒꯣꯜꯗ ꯁꯤꯂꯤꯋꯗꯩ꯫꯫
ꯂꯥꯏꯋꯤꯊꯛ ꯆꯤꯍꯥꯋ ꯍꯥꯅꯅꯜꯂꯤ꯫꯫

ꯈꯣꯜ	ꯍꯈꯣꯜ	ꯂꯜ
बर्तन	घोंसला	संपत्ति

ꯝ

ꯀꯂꯝ

कलम

ꯆꯝꯅ ꯆꯥꯗ ꯆꯝꯅ ꯃꯪꯍꯇꯨ॥
ꯈꯦꯅ ꯁꯨꯝꯍꯨ ꯈꯦꯅ ꯌꯧ॥
ꯎꯃꯝꯕ ꯂꯝꯕꯤ ꯌꯤꯡꯅꯨ॥

ꯂꯝꯄꯥꯛ	ꯆꯅꯝ	ꯊꯨꯝ
मैदान	लहसुन	नमक

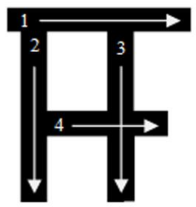

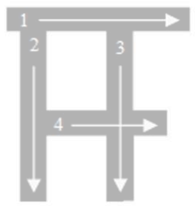

जीप

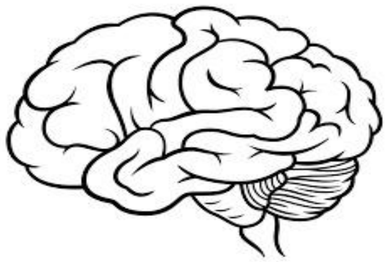

तोप

दिमाग

बालिश्त

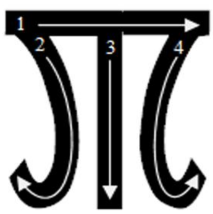

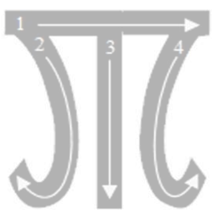

अरवी

मटकी	तकिया	बैंगन

ꯠ

ꯄꯥꯠ

झील

ꯀꯩꯠ ꯑꯁꯤ ꯆꯥꯎꯏ॥
ꯄꯥꯠ ꯑꯁꯤ ꯐꯖꯩ॥
ꯍꯤꯠꯐꯝ ꯊꯩꯗꯕ ꯂꯝꯕꯪ॥

ꯀꯩꯠ	ꯁꯝꯖꯪꯠ	ꯈꯨꯠ
धान की कोठी	कंघी	हाथ

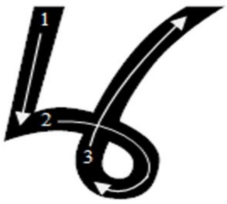

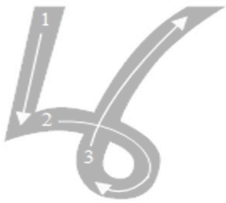

[illegible]

[illegible]

चाकू

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
बारिश	बिल्ली	पहाड़

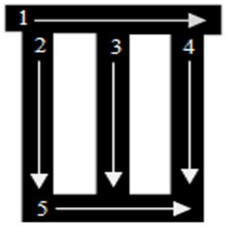

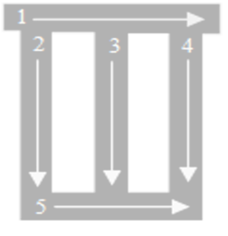

[illegible]

[illegible]

लौह अयस्क

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
मधुमक्खी	पीना	कुत्ता

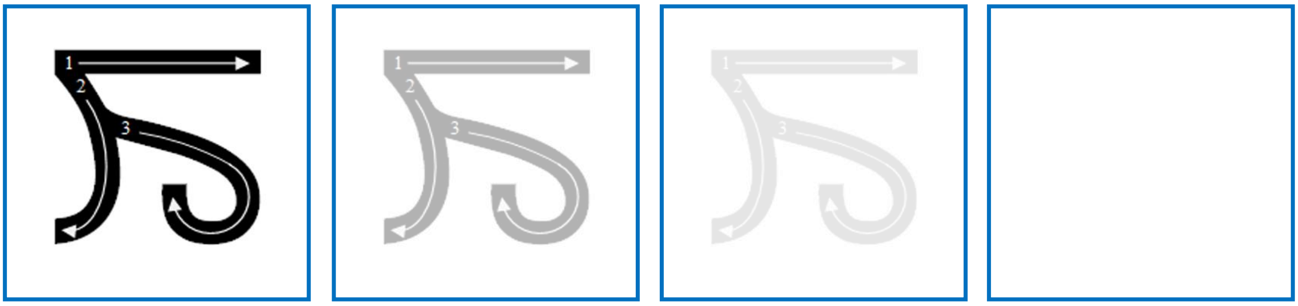

“ꯇ” ꯅ ꯁꯤꯂꯥꯏ ꯂꯥꯏꯂꯨꯛ ꯃꯪꯈꯒ
ꯍꯩꯃꯩꯗꯩꯠ

[illegible] टू

आलू

[illegible]

[illegible]

[illegible]

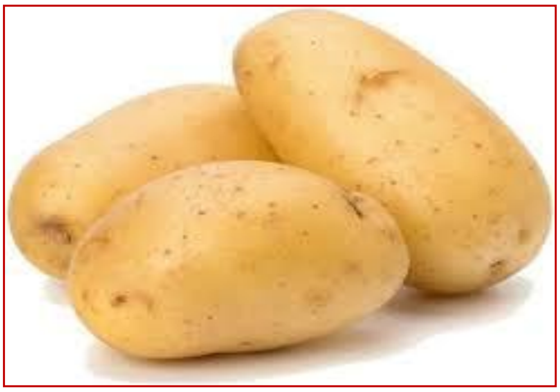

[illegible]	[illegible]	[illegible]
केले का पत्ता	पेना	बत्तख

[illegible]

[illegible]

साइकिल

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
छत्र	ओला	कागज़

[illegible]

[illegible]

हम

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]
सीढ़ी	फूल	कटहल

ꯑꯣ

ꯑꯣꯛ

सुअर

ꯑꯣꯛ ꯃꯁꯥ ꯁꯪꯕꯅꯤ॥
ꯊꯣꯡ ꯇꯥꯡꯖꯨꯗ ꯌꯪꯡꯕꯅꯤ॥
ꯍꯣꯒꯣꯡ ꯍꯣꯒꯣꯡ ꯁꯪꯕꯅꯤ॥

ꯀꯣꯅꯧ	ꯊꯣꯡ	ꯌꯣꯡ
चाबी	पुल	बंदर

ꯑꯧ

ꯑꯧꯒ꯭ꯔꯤ

औग्रि (एक नृत्य शैली)

ꯑꯧꯒ꯭ꯔꯤ ꯁꯣꯛꯕ ꯂꯣꯍꯔꯦ॥
ꯂꯧ ꯂꯤꯛꯕ ꯇꯧꯔꯦ॥
ꯐꯧ ꯂꯣꯛꯄ ꯇꯧꯔꯀꯤ॥

ꯐꯧ	ꯂꯧꯅꯧ	ꯂꯧꯕꯨꯛ
धान	दीमक	खेत

[illegible]

[illegible]

अंगूर

[illegible]

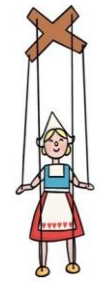

[illegible]	[illegible]	[illegible]
झोपड़ी	जलकुंभी	कठपुतली

मात्रा चिन्ह	उदाहरण	चित्र	लेखन अभ्यास
[illegible]	[illegible] नाव		[illegible]
	[illegible] मकड़ी जाल		[illegible]
	[illegible] खीरा	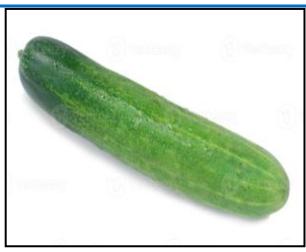	[illegible]
[illegible]	[illegible] तितली		[illegible]
	[illegible] पुआल		[illegible]
	[illegible] केले का पेड़		[illegible]

ꯃꯁꯤꯡ ꯊꯤꯕ (Counting)			
꯱	ꯑꯃꯥ		1
꯲	ꯑꯅꯤ		2
꯳	ꯑꯍꯨꯝ		3
꯴	ꯃꯔꯤ		4
꯵	ꯃꯉꯥ		5
꯶	ꯇꯔꯨꯛ		6
꯷	ꯇꯔꯦꯠ		7
꯸	ꯅꯤꯄꯥꯟ		8
꯹	ꯃꯥꯄꯜ		9
꯱꯰	ꯇꯔꯥ		10

꯱꯱	ꯇꯔꯥ ꯃꯥꯊꯣꯢ		11
꯱꯲	ꯇꯔꯥ ꯅꯤꯊꯣꯢ		12
꯱꯳	ꯇꯔꯥ ꯍꯨꯝꯗꯣꯢ		13
꯱꯴	ꯇꯔꯥ ꯃꯥꯔꯤ		14
꯱꯵	ꯇꯔꯥ ꯃꯥꯡꯉꯥ		15
꯱꯶	ꯇꯔꯥ ꯇꯔꯨꯛ		16
꯱꯷	ꯇꯔꯥ ꯇꯔꯦꯠ		17
꯱꯸	ꯇꯔꯥ ꯅꯤꯄꯥꯟ		18
꯱꯹	ꯇꯔꯥ ꯃꯥꯄꯟ		19
꯲꯰	ꯀꯨꯟ		20

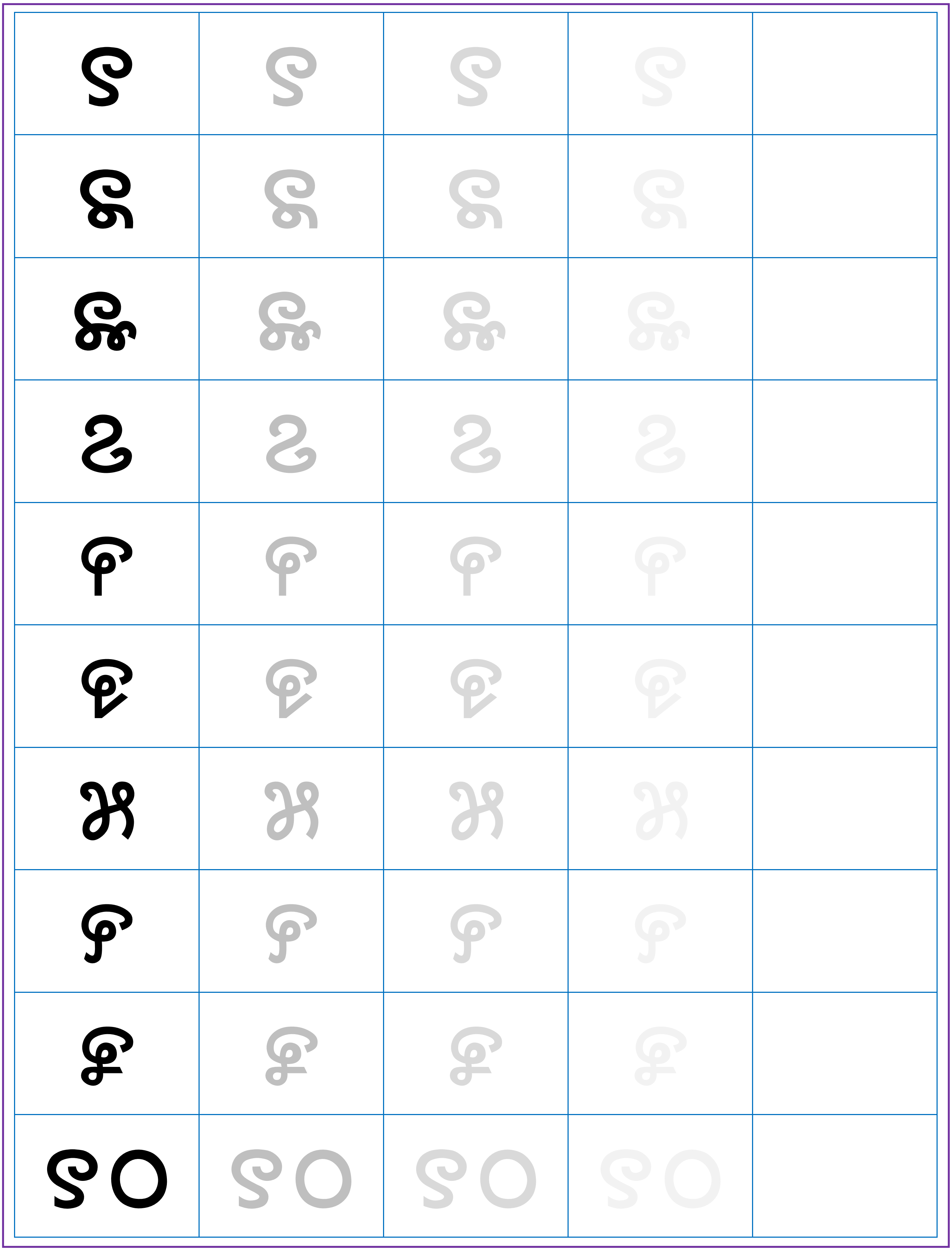

១១	១១	១១	១១	
១២	១២	១២	១២	
១៣	១៣	១៣	១៣	
១៤	១៤	១៤	១៤	
១៥	១៥	១៥	១៥	
១៦	១៦	១៦	១៦	
១៧	១៧	១៧	១៧	
១៨	១៨	១៨	១៨	
១៩	១៩	១៩	១៩	
២០	២០	២០	២០	

[illegible]

(हिंदी वर्णमाला)

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

अं अः

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ श्र

ड़ ढ़

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ASSAMESE	9	KONKANI	17	SANSKRIT
2	BENGALI	10	MAITHILI	18	SANTALI
3	BODO	11	MALAYALAM	19	SINDHI
4	DOGRI	12	MANIPURI	20	TAMIL
5	GUJARATI	13	MARATHI	21	TELUGU
6	HINDI	14	NEPALI	22	URDU
7	KANNADA	15	ODIA		
8	KASHMIRI	16	PUNJABI		

NON - SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages	Sl. No.	Languages
1	ADI	20	KINNAURI	39	MISING
2	ANAL	21	KISAN (KUNHU)	40	MIZO
3	ANGAMI	22	KODAVA	41	MOGH
4	AO	23	KOKBOROK	42	MUNDARI
5	BHILI (VASAVA)	24	KOLAMI	43	NYISHI (NISSI)
6	BHUTIA	25	KONDA	44	RABHA
7	BISHNUPRIYA MANIPURI	26	KORKU	45	RAI
8	DEORI	27	KORWA	46	SHERPA
9	DIMASA	28	KOYA	47	SAVARA (SORA)
10	GADABA (GUTOB)	29	KUI	48	SÜMI (SEMA)
11	GARO	30	KUKI	49	TAMANG
12	HALBI	31	KURUKH	50	TANGKHUL
13	HMAR	32	KUZHALE (KHEZHA)	51	TANGSA
14	JATAPU (KUVI)	33	LEPCHA	52	TIWA (LALUNG)
15	JUANG	34	LIANGMAI	53	TULU
16	KABUI	35	LIMBU	54	WANCHO
17	KARBI	36	LOTHA		
18	KHANDESHI	37	MAO		
19	KHARIA	38	MISHMI (IDU)		

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in